गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 176
दि. 28.10.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, देशभर में साइबर ठगी की जांच सीबीआई को सौंपने के संकेत

(जीएनएस)। नई दिल्ली। देशभर में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कड़ी नाराजगी जताई और संकेत दिया कि इन मामलों की व्यापक जांच सीबीआई को सौंपी जा सकती है। अदालत ने कहा कि यह केवल साइबर अपराध नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है जो अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के जरिये संचालित हो रहा है और इससे आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्य बागची की खंडपीठ ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि इन अपराधों के फैलाव को समझना और उनका ठोस समाधान निकालना अब राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बन गया है। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने यहां दर्ज ऐसे सभी मामलों की FIR की पूरी जानकारी अदालत में प्रस्तुत करें ताकि यह आकलन किया जा सके कि यह अपराध देशभर में किस स्तर तक फैल चुका है। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह भी पूछा कि क्या सीबीआई के पास इतने बड़े पैमाने पर फैले इन अपराधों की जांच के लिए पर्याप्त जनशक्ति, संसाधन और तकनीकी क्षमता है। इस पर मेहता ने बताया कि सीबीआई पहले से कुछ ऐसे मामलों की जांच कर रही है, लेकिन इस

स्तर पर विस्तारित जांच के लिए एजेंसी की क्षमता की समीक्षा आवश्यक होगी। जस्टिस सूर्यकांत ने सॉलिसिटर जनरल से स्पष्ट रूप से कहा, “आप यह सुनिश्चित करें कि सीबीआई के पास आवश्यक विशेषज्ञता, तकनीकी संसाधन और मानव बल मौजूद हो। यदि नहीं, तो इसकी जानकारी अदालत को दें ताकि आगे की रणनीति तय की जा सके।”

सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को अवगत कराया कि “डिजिटल अरेस्ट” और ऑनलाइन ठगी के कई गिरोह म्यांमार, थाईलैंड और दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य हिस्सों से संचालित हो रहे हैं। ठग भारतीय नागरिकों को फर्जी कॉल, नकली पुलिस या एजेंसी के नाम पर धमकी, और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के जरिये वसूली जैसे तरीकों से निशाना बना रहे हैं। इस पर अदालत ने कहा कि यदि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका नेटवर्क है, तो जांच एजेंसी को इस दिशा में ठोस रणनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में काम करना होगा।

पीठ ने कहा, “यह कोई सामान्य धोखाधड़ी नहीं है। यह संगठित आपराधिक तंत्र है जो तकनीकी माध्यमों से जनता के धन और मानसिक शांति पर हमला कर रहा है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों की पुलिस एजेंसियों के बीच समन्वय और साझा कार्रवाई अनिवार्य है।”

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सीबीआई जांच की प्रगति की स्वयं निगरानी करेगी और यदि आवश्यक हुआ तो तकनीकी विशेषज्ञों, साइबर सुरक्षा एजेंसियों या बाहरी साइबर विशेषज्ञों की सहायता से जांच के लिए नए निर्देश जारी करेगी। यह सुनवाई उस समय प्रारंभ हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के अंबाला जिले में एक वरिष्ठ नागरिक दंपति से 1.05 करोड़ रुपये की ठगी के मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। ठगों ने उन्हें अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेश दिखाकर पैसे वसूले थे। यह मामला अब “डिजिटल अरेस्ट” अपराधों के राष्ट्रीय स्वरूप का प्रतीक बन गया है, जहां अपराधी पुलिस या अदालत के नाम पर आम लोगों को डराकर ऑनलाइन भुगतान कराने के लिए बाध्य करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को “अत्यंत गंभीर” करार देते हुए कहा कि यदि शीघ्र कदम नहीं उठाए गए तो यह अपराध देश के हर कोने में फैल जाएगा। अदालत ने केंद्र सरकार, सभी राज्य पुलिस प्रमुखों और सीबीआई को निर्देश दिया कि वे इस विषय में अपनी स्थिति रिपोर्ट 3 नवंबर तक प्रस्तुत करें।

देश में “डिजिटल अरेस्ट” शब्द उस अपराध के लिए प्रचलित हो चुका है जिसमें साइबर ठग किसी व्यक्ति को कॉल या वीडियो के माध्यम से धमकी देते हैं कि उसके खिलाफ कोई आपराधिक केस दर्ज है और यदि वह तुरंत धनराशि का भुगतान नहीं करता, तो उसे “डिजिटल रूप से गिरफ्तार” कर लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती अब ऐसे अपराधों के विरुद्ध देशव्यापी अभियान की दिशा में निर्णायक कदम मानी जा रही है।

चक्रवाती तूफान ‘मोंथा’ का बढ़ता कहर, समुद्र में मच रही तबाही और तटीय इलाकों में मूसलाधार बारिश से जनजीवन ठप, सरकारें हाई अलर्ट पर

(जीएनएस)। नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान ‘मोंथा’ अब अपने प्रचंड रूप में भारत के पूर्वी तटों की ओर बढ़ रहा है। इस तूफान के असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने सोमवार को इन राज्यों के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी करते हुए लोगों को घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है। ‘मोंथा’ की रफ्तार 18 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है और मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह तूफान 28 अक्टूबर की शाम या रात तक आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा तट से टकरा सकता है। भारतीय नौसेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तटीय इलाकों में तैनात कर दी गई हैं, वहीं राज्य सरकारें भी आपातकालीन तैयारियों में जुट गई हैं।

आंध्र प्रदेश डिजास्टर मैनेजमेंट के प्रमुख प्रखर जैन ने बताया कि तूफान तट के बेहद करीब पहुंच चुका है और इसकी तीव्रता लगातार बढ़ रही है। समुद्र में लहरें ऊंची उठ रही हैं और तटीय गांवों में तेज हवाओं से पेड़ और बिजली के खंभे गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। राज्य के तटीय जिलों — काकीनाड़ा, कृष्णा, गोदावरी, श्रीकाकुलम और विशाखापट्टनम — में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तर 30 अक्टूबर तक बंद करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

ओडिशा में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है। राज्य के कई निचले इलाकों में जलभराव शुरू हो गया है और तेज हवा के झोंकों से कई जगहों पर बिजली व्यवस्था ठप हो गई है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सभी जिलाधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। आठ जिलों — गंजम, गजपति, मलकानगिरी, कालाहांडी, रायगढ़, कोरापुट, कंधमाल और नबरंगपुर — में 128 से अधिक बचाव दलों को तैनात किया गया है। इन टीमों में एनडीआरएफ, ओडिशा डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स और स्थानीय पुलिस के जवान शामिल हैं। राज्य प्रशासन ने लगभग 20,000 लोगों को तटीय क्षेत्रों से निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है।

इस बीच केरल में भी ‘मोंथा’ के प्रभाव से मूसलाधार बारिश हो रही है। निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। अलप्पुझा जिले में नाव पलटने से एक मछुआरे की मौत हो गई, जबकि एर्नाकुलम में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई। मौसम विभाग ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी दी है।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी तूफान का असर देखने को मिल रहा है। बंगाल के दक्षिण 24 परगना, पूर्व मिदनापुर और हावड़ा जिलों में तेज हवाओं और बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। तटीय इलाकों में समुद्र की लहरें ऊंची उठ रही हैं और प्रशासन ने कई गांवों में बिजली आपूर्ति एहतियातन रोक दी है। तमिलनाडु के नागपट्टिनम और चेंगलपट्टू जिलों में भी समुद्र किनारे पुलिस और मरीन कमांडो की टीमें तैनात की गई हैं।

भारतीय नौसेना ने चक्रवात की संभावित तबाही को देखते हुए राहत और बचाव जहाज तैयार रखे हैं। विशाखापट्टनम और चेन्नई से विशेष मेडिकल टीमें भी तैयार की गई हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि जरूरत पड़ने पर हवाई सहायता भी तुरंत भेजी जाएगी।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ‘मोंथा’ का केंद्र बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में बेहद सक्रिय है और इसके आसपास समुद्री तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने के कारण इसकी शक्ति बढ़ रही है। अगले 24 घंटे तूफान के लिए सबसे निर्णायक माने जा रहे हैं क्योंकि इस दौरान इसके और प्रचंड रूप लेने की आशंका है। देश के पूर्वी तट पर यह इस वर्ष का तीसरा बड़ा चक्रवात है जिसने एक बार फिर जलवायु परिवर्तन की भयावह सच्चाई को सामने रखा है। वैज्ञानिकों के अनुसार समुद्री जल का तापमान लगातार बढ़ने से इस तरह के तूफानों की आवृत्ति और तीव्रता दोनों में वृद्धि हो रही है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, लेकिन नागरिकों से यह अपील की गई है कि वे सतर्क रहें, अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें ताकि किसी भी संभावित खतरे से बचा जा सके।

भारतीय नौसेना को मिलेगा नया सर्वेक्षण पोत ‘इक्षक’, 6 नवंबर को होगा नौसेना में शामिल, आपात स्थिति में निभाएगा अस्पताल जहाज की भूमिका

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और जल सर्वेक्षण की क्षमता को और सुदृढ़ करने जा रही है भारतीय नौसेना। छह नवंबर को भारतीय नौसेना में एक नया सर्वेक्षण पोत ‘इक्षक’ शामिल किया जाएगा, जो न केवल तकनीकी दृष्टि से अत्याधुनिक है बल्कि पूरी तरह से स्वदेशी निर्माण का गौरव भी लिए हुए है। यह पोत संकट की घड़ी में अस्पताल के रूप में भी काम करेगा, जिससे यह देश की रक्षा और मानवीय दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ निभाने की क्षमता रखता है। नौसेना के शीर्ष अधिकारी इस अवसर को भारत की जल-सीमा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए ऐतिहासिक कदम बता रहे हैं।

नौसेना सूत्रों के अनुसार, इस पोत की कमीशनिंग समारोह की अध्यक्षता नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी करेंगे। यह आयोजन नौसेना के पश्चिमी कमान के एक प्रमुख अड्डे पर किया जाएगा। ‘इक्षक’ सर्वेक्षण पोत श्रृंखला का तीसरा जहाज है, जो उन्नत तकनीक और भारतीय कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पोत समुद्र की गहराईयों का सर्वेक्षण, नौवहन मार्गों का मानचित्रण और समुद्री सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

‘इक्षक’ कोलकाता स्थित गार्डन रीच

शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा बनाया गया है। इसके निर्माण की निगरानी युद्धपोत निरीक्षण दल (कोलकाता) और नौसेना के जहाज उत्पादन निदेशालय ने की है। सबसे विशेष बात यह है कि इस पोत में 80 फीसदी से अधिक हिस्से पूरी तरह से भारतीय कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा बनाए गए हैं। इससे यह ‘मेक इन इंडिया’ और ‘आत्मनिर्भर भारत’ अभियान का एक जीवंत प्रतीक बन गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पोत का निर्माण भारतीय शिपबिल्डिंग उद्योग की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक छलांग है।

यह जहाज अपने वर्ग के अन्य पोतों से कई मामलों में अलग है। इसे दोहरी भूमिका के साथ डिजाइन किया गया है। हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और समुद्री मानचित्रण के अलावा, यह आपात स्थितियों में अस्पताल जहाज के रूप में भी कार्य कर सकता है। जब किसी प्राकृतिक आपदा या मानवीय संकट की स्थिति आती है, तो यह पोत राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और बचाव कर्मियों को तुरंत मौके पर पहुंचाने में सक्षम होगा। इसमें चिकित्सा उपकरणों, मरीजों के इलाज और राहत कार्यों के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं मौजूद हैं।

नौसेना के प्रवक्ता के अनुसार, ‘इक्षक’ महिलाओं के लिए विशेष आवासीय सुविधाओं से लैस पहला सर्वेक्षण पोत है। यह भारतीय नौसेना की प्रगतिशील सोच और लैंगिक समानता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। इससे महिला अधिकारियों को समुद्री अभियानों में और अधिक सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा।

‘इक्षक’ नाम स्वयं अपने उद्देश्य को अभिव्यक्त करता है। संस्कृत में ‘इक्षक’ का अर्थ होता है ‘मार्गदर्शक’ — वह जो रास्ता दिखाए और सुरक्षा सुनिश्चित करे। इस पोत का नामकरण भारतीय नौसेना की उस भावना का प्रतीक है जिसमें अज्ञात जलक्षेत्रों का मानचित्रण, नौसैनिकों के लिए सुरक्षित मार्ग तैयार करना और भारत की समुद्री शक्ति को नई दिशा देना शामिल है।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ‘इक्षक’ का नौसेना में शामिल होना भारत को समुद्री सर्वेक्षण और जलराशि निगरानी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। यह पोत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करेगा और देश की समुद्री सीमाओं की निगरानी क्षमता को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। आने वाले वर्षों में ऐसे और भी स्वदेशी सर्वेक्षण पोतों के शामिल होने से भारतीय नौसेना न केवल एशिया बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी तकनीकी और सामरिक शक्ति का प्रदर्शन कर सकेगी।

‘इक्षक’ का नौसेना बेड़े में शामिल होना भारत के शिपबिल्डिंग इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय है — यह केवल एक जहाज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उस दृष्टि का प्रतीक है जो तकनीकी नवाचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय संवेदना को एक सूत्र में पिरोता है।

दिल्ली दंगों की साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टाली सुनवाई, उमर खालिद-शरजील इमाम समेत चारों को फिर नहीं मिली राहत

(जीएनएस)। नई दिल्ली। 2020 में हुए दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े बहुचर्चित मामले में आरोपित कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को इनकी जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 31 अक्टूबर तक के लिए टाल दी। अदालत ने यह निर्णय तब लिया जब केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि वह इस मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगी। एएसजी राजू ने अदालत से दो सप्ताह का समय मांगा था ताकि वह विस्तृत जवाब दाखिल कर सकें, लेकिन न्यायपीठ ने यह कहते हुए लंबा समय देने से इनकार कर दिया कि जमानत से जुड़े मामलों में सामान्यतः इतने लंबे समय की आवश्यकता नहीं होती। पीठ ने टिप्पणी की, “साफ तौर पर कहें तो, जमानत मामलों में जवाब दाखिल करने की आवश्यकता नहीं होती।” यह मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की कथित साजिश से जुड़ा है, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों घायल हुए थे। पुलिस का आरोप है कि नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) के खिलाफ हुए प्रदर्शनों की आड़ में हिंसा की योजना बनाई गई थी। इस मामले में यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत कार्रवाई की जा रही है। जेल में बंद जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्र मीरान हैदर सभी इस मामले में सह-आरोपी हैं।

मानहानि मामले में अदालत पहुंचीं अभिनेत्री-सांसद कंगना रनौत, कहा— हर माता मेरे लिए सम्माननीय, गलतफहमी हुई थी ट्वीट को लेकर

(जीएनएस)। बठिंडा/चंडीगढ़। फिल्म अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत सोमवार को पंजाब के बठिंडा की एक स्थानीय अदालत में मानहानि के एक मामले में पेश हुईं। यह मामला उनके 2021 के उस ट्वीट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान पंजाब की एक बुजुर्ग महिला को लेकर टिप्पणी की थी। अदालत में पेशी के दौरान कंगना ने कहा कि उनके बयान को गलत अर्थों में लिया गया और उनकी मंशा किसी का अपमान करने की नहीं थी। उन्होंने कहा कि उनके लिए हर माता सम्माननीय हैं, चाहे वह पंजाब की हों या हिमाचल की। यह मामला तब सामने आया जब अभिनेत्री ने किसान आंदोलन के दौरान ट्विटर पर एक बुजुर्ग महिला की तस्वीर को साझा करते हुए एक टिप्पणी की थी। यह महिला दरअसल बठिंडा जिले के बहादुरगढ़ जन्दियन गांव की 73 वर्षीय महिंदर कौर थीं। कंगना ने उस समय इस तस्वीर को शाहीन बाग प्रदर्शन से जुड़ी कार्यकर्ता बिलकिस बानो समझकर रीट्वीट कर दिया था। इस पर महिंदर कौर ने जनवरी 2021 में बठिंडा की अदालत में उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था, यह आरोप लगाते हुए कि सांसद ने उन्हें गलत पहचान के साथ प्रस्तुत किया और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया। अदालत ने पिछले वर्ष सितंबर में कंगना रनौत को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था। सोमवार को अदालत में पेश होकर अभिनेत्री ने न्यायाधीश के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उनके ट्वीट का गलत मतलब निकाला गया, जबकि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति की मानहानि करना नहीं था। उन्होंने कहा, “मैंने किसी भी माता या महिला के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की। महिंदर कौर जी के परिवार के साथ जो गलतफहमी हुई, उसके

लिए मैंने खेद भी जताया था। मैंने उन्हें संदेश भेजकर कहा था कि मेरी बात का अर्थ गलत समझा गया है। मेरे लिए हर माता पूजनीय है, चाहे वह पंजाब से हों या हिमाचल से।”

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के बाहर बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही, जिनमें किसान संगठनों के कुछ सदस्य भी शामिल थे। हालांकि, अदालत की कार्यवाही शांति और सादगी के साथ पूरी हुई। कंगना की तरफ से उनके वकील ने तर्क दिया कि यह मामला एक गलतफहमी पर आधारित है और अभिनेत्री की मंशा किसी का अपमान करना नहीं थी। गौरतलब है कि यह विवाद 2020-21 के किसान आंदोलन के दौरान उठा था, जब देशभर में कृषि कानूनों के विरोध में किसानों ने दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन किया था। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे, जिनमें से एक तस्वीर को लेकर कंगना ने टिप्पणी की थी। बाद में जब यह स्पष्ट हुआ कि तस्वीर में दिखाई दे रही महिला बिलकिस बानो नहीं बल्कि पंजाब की किसान महिला महिंदर कौर हैं, तो अभिनेत्री ने ट्वीट हटा लिया और अपनी सफाई दी।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख तय करते हुए कहा है कि इस प्रकरण में दोनों पक्षों की दलीलें और सबूतों की जांच की जाएगी। वहीं, कंगना रनौत ने अदालत से बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि वह कानून पर पूरा भरोसा रखती हैं और सत्य हमेशा सामने आता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कही गई बातों का गलत मतलब निकालना आज आम बात हो गई है, लेकिन उनका किसी को नीचा दिखाने या बदनाम करने का कभी इरादा नहीं रहा। कंगना की अदालत में पेशी से यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। किसान संगठनों का कहना है कि इस तरह के मामलों में न्यायिक प्रक्रिया पूरी ईमानदारी से होनी चाहिए, जबकि अभिनेत्री के समर्थकों का कहना है कि उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। अब देखने वाली बात होगी कि इस बहुचर्चित मानहानि मामले में अदालत क्या निर्णय देती है, क्योंकि यह मामला सिर्फ एक ट्वीट का नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति और जिम्मेदारी की सीमाओं का भी प्रतीक बन गया है।

संपादकीय

इंदौर में शर्मनाक

देश में स्वच्छता के तमाम मानक सिद्ध करने वाले इंदौर में दो आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का पीछा किए जाने और छेड़छाड़ की घटना देश को शर्मसार करने वाली है। ऐसे वक्त में जब देश वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का दावा कर रहा है, इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल करने वाली हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में हिस्सा लेने आई ये खिलाड़ी गुरुवार की सुबह अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं। इस बीच एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू किया। उसने इन खिलाड़ियों में से एक को गलत तरीके से छुआ और फिर घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ। विडंबना देखिए कि पुलिस को अभियुक्त को पकड़ने में डेढ़ दिन का समय लगा। बताया जाता है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस निंदनीय कृत्य पर प्रतिक्रिया देने में समय लगाया। वहीं दूसरी ओर राज्य क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने संकेत दिया कि दोनों खिलाड़ियों ने संभवतः सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। वहीं दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम ने सिरे से इसका खंडन किया है। निस्संदेह, यह चूक और ज्यादा गंभीर है क्योंकि इंदौर को मेहमान टीमों के लिये एक सुरक्षित शहर माना जाता है। जाहिर है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं थी। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला मामला देश में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के आयोजकों के लिये एक चेतावनी जरूर है।

यह भारत की छवि के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में विदेशियों, खासकर पर्यटकों को यौन उत्पीड़न का आसान निशाना माना जाता है। इस साल, राजस्थान में एक फ्रांसीसी पर्यटक के साथ दुराचार हुआ, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में एक इस्राइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न किया गया। विदेशी खिलाड़ियों की सीमित आवाजाही से उनके यौन अपराधों का शिकार होने की आशंका कम होनी चाहिए। लेकिन इंदौर की शर्मनाक घटना बताती है कि सुरक्षा में जरा सी चूक का फायदा अपराधी उठा सकते हैं। अगले महीने होने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासभा, अहमदाबाद में 2030 के खेलों की मेजबानी के लिये अपनी मुहर लगाने वाली है। इतने बड़े आयोजन का सुरक्षित ढंग से निष्पादित किया जाना, कई चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है। ऐसे में दुनिया भर से आने वाली महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निस्संदेह, इंदौर जैसी घटनाओं से भारत की वैश्विक छवि दांव पर लगती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष सिर्फ नारा नहीं रहना चाहिए। हम सब को मिलकर उसे व्यवहार में लाना चाहिए और इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। समाज विज्ञानियों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि हमारे समाज में यौन अपराधों का ग्राफ इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। समाज में नैतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास शिक्षा व अन्य माध्यमों से करना चाहिए। फिलहाल जो हालात हैं, वे हमारी वैश्विक छवि को धूमिल ही करते हैं।

इंसानों की लालची प्रवृत्ति का शिकार बन रहे हैं गजराज

> देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई।

देश में बढ़ती महत्वकांक्षा और लालची प्रवृत्ति ने पर्यावरण के साथी और हिन्दुओं की पूजा के प्रतीक हाथियों को भी नहीं बख्शा है। अन्य वन्यजीवों और वनस्पतियों के तरह अब हाथियों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे है। हाथी मेरे साथी के बजाए अब दुश्मन बनता जा रहा है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की नई जनगणना के मुताबिक पिछले 8 साल के भीतर देश में हाथियों की संख्या करीब 25% तक घट गई है। देश में पहली बार डीएनए के आधार पर हाथियों की गणना में यह खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे तो हुए ही हैं, साथ ही जनगणना डराने वाली भी है। यह रिपोर्ट बताती है कि शिकार की वजह से नहीं बल्कि जंगलों के कम होने और इंसानों के साथ संघर्ष के चलते हाथियों की संख्या में कमी आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 22,446 हाथी हैं। जबकि 2017 में देश में हाथियों की संख्या 29,964 के करीब थी।हाथियों की गणना करने के लिए पहली बार डीएनए आधारित प्रणाली को अपनाया है, जबकि 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च होने के बाद से ही तस्वीरों और हाथियों की लीद के आधार पर ही इनकी गिनती होती थी। डब्ल्यू आई आई के वैज्ञानिक और रिपोर्ट के मुख्य लेखक कमर कुरैशी के मुताबिक जंगल कट रहे हैं, हाथियों के आवास सिकुड़ रहे हैं और कॉरिडोर का कनेक्शन खत्म हो रहा है। इस वजह से इंसानों और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। खासतौर से मध्य भारत और असम में।

इस रिपोर्ट में एक अच्छी बात यह सामने आई कि शिकार के लिए हाथियों को नहीं मारा जा रहा है। लेकिन घर आवासों का सिकुड़ना बड़ी चिंता की बात है। भारत

में वेस्टर्न घाट में सबसे ज्यादा हाथी हैं। यहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में 14,587 हाथी हुआ करते थे। पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय इलाकों में हाथियों की संख्या 10,139 से घटकर 6559 हो गई है। मध्य भारत और ईस्टर्न घाट में 3128 से घटकर 1891 हाथी ही रह गए हैं। हाथियों की मौजूदा सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में 6013, असम 4159, तमिलनाडु 3136, केरल 2785, उत्तराखंड 1792 ओर ओडिशा में 912 हाथी मौजूद हैं। झारखंड में जंगली हाथियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह मात्र 217 रह गई है, जोकि 2017 के 678 के आंकड़े से काफी कम है।

देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुड़ने से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 624, झारखंड में 474, पश्चिम बंगाल में 436, असम में 383 और छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। तमिलनाडु और कर्नाटक में क्रमशः 256 और 160 लोगों की मौत हुई। इसके विपरीत, बाघों के हमलों में 2020 से 2024 के बीच कुल 378 लोगों की मौत हुई। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 218 मौतें, उत्तर प्रदेश में 61 और मध्य प्रदेश में 32 मौतें दर्ज की गईं। हर साल करीब 60 हाथियों की भी मौत प्रतिशोध में हो जाती है।

देश की रेल परिवहन व्यवस्था हाथियों के लिए खतरनाक बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में देश भर में रेलगाड़ियों की चपेट में आने से कम से कम 79 हाथियों की जान चली गई। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में खड़गपुर-टाटानगर रेलखंड पर तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक हथिनी और उसके बच्चे समेत तीन हाथियों की जान चली गई। 7 हाथियों का एक झुंड रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेन आ गई जिससे यह बड़ा हादसा हो गया था। खड़गपुर रेल मंडल में आने वाला यह रूट जंगलों से घिरा है। यहां हाथियों के साथ-साथ अन्य जंगली जानवर भी है। हाथियों सहित अन्य जंगली जानवरों की ट्रेन से कटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ी और जंगली इलाकों में ही होती है।

अवैध शिकार के मामलों में कमी आई है, किन्तु यह अभी भी एक खतरा बना हुआ है। हाथियों की मौत के कुछ मामलों में जहर एक कारण हो सकता है। बिजली के तारों की चपेट में आने से भी हाथियों की मृत्यु होती है। हाथी का महत्व सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक दृष्टिकोण से है। यह महत्वपूर्ण प्रजातियों में से एक है जो कई अन्य प्रजातियों को सहारा देती है। हाथी अपनी सूंड से पानी की खुदाई करते हैं, जो अन्य जानवरों को भी पानी उपलब्ध कराता है। आर्थिक रूप से, हाथी पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और वास्तु में समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं। हाथियों के मल से विभिन्न प्रकार के पौधों के बीज फैलते हैं, जो सवाना जैसे पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। वे घने जंगलों में रास्ते भी बनाते हैं जो अन्य जानवरों को आने-जाने में मदद करते हैं।

विश्व हाथी दिवस पर वाइल्डलाइफ एसओएस ने भारत में सड़कों पर भीख मांगते हाथियों की दुखद स्थिति को उजागर किया। इन विशालकाय प्राणियों को क्रूरता से सड़कों पर घसीटा जाता है। वाइल्डलाइफ एसओएस का बेगिंग एलीफेंट अभियान इन हाथियों को बचाने और इस प्रथा को 2030 तक खत्म करने की दिशा में काम कर रहा है। दुनिया भर में हर साल 16 अप्रैल को हाथी बचाओ दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हाथियों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इन शानदार जानवरों की रक्षा के प्रयासों को आगे बढ़ाना है। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया प्रोजेक्ट एलीफेंट एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य हाथियों के प्राकृतिक आवासों में उनके लंबे समय तक अस्तित्व को सुनिश्चित करना है। इसके बावजूद जंगलों के कटने और हाथियों के प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण की रोकथाम के बगैर यह विशाल और महत्वपूर्ण जानवर अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करता रहेगा।

प्रेरणा

ईश्वर के दरबार में विनम्रता का ताज

फ्रांस के विशाल और समृद्ध साम्राज्य के मध्य में एक शांत मठ था, जहाँ एक संत, तपस्वी और महान विद्वान नोके निवास करते थे। उनका जीवन एक दीपक की भाँति था— जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता था। नोके ने सांसारिक मोह-माया, सम्मान और वैभव को त्याग कर अपना जीवन ज्ञान और ईश्वर भक्ति में समर्पित कर दिया था। उनके सादे वस्त्र, शांत मुख और निर्मल दृष्टि को देखकर कोई भी व्यक्ति सहज ही समझ सकता था कि वे केवल विद्या में ही नहीं, बल्कि आत्मा की पवित्रता में भी महान हैं।

उनकी ख्याति पूरे फ्रांस में फैल चुकी थी। गाँव-गाँव, नगर-नगर में लोग उनके गुणों का बखान करते थे। यही चर्चा धीरे-धीरे फ्रांस के राजा चार्ल्स तक पहुंची। राजा चार्ल्स धर्मपरायण और विद्वान पुरुषों के प्रति आदरभाव रखते थे। उन्होंने जब संत नोके के तप और ज्ञान की बातें सुनीं, तो उनके हृदय में एक गहरा आकर्षण जागा। उन्होंने निश्चय किया कि इस महान संत से मिलकर न केवल धर्म का मार्ग समझेंगे, बल्कि अपने राज्य के कल्याण हेतु भी मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

राजा ने दरबार के माध्यम से कई बार संदेश भेजा कि वे संत नोके को राजसभा में बुलाना चाहते हैं, उन्हें सम्मानित करना चाहते हैं। परंतु नोके ने हर बार विनम्रता से यह कहकर इंकार कर दिया कि उनका स्थान राजमहल में नहीं, बल्कि मठ में है— जहाँ वे ईश्वर की आराधना करते हैं। संत का यह उत्तर सुनकर भी राजा का आदर और बढ़ गया। उन्होंने सोचा कि यदि कोई व्यक्ति इतना विनम्र होकर भी इतना ज्ञानी है, तो निश्चय ही उसमें ईश्वर का अंश विद्यमान है।

आखिरकार राजा चार्ल्स स्वयं ही अपने कुछ दरबारियों के साथ मठ में पहुंचे। जैसे ही उन्होंने संत नोके को देखा, उनका सिर श्रद्धा से झुक गया। साधारण लकड़ी के आसन पर बैठे संत का तेज और शांति अद्भुत थी। राजा ने आदरपूर्वक उनके चरण स्पर्श किए और उनसे राज्य के हित में कुछ प्रश्न किए। धर्म, नीति, समाज, राजनीति, शिक्षा— हर विषय पर जब संत नोके ने अपने संतुलित, तार्किक और सुसंस्कृत विचार प्रकट किए, तो राजा मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे।

परंतु वही दृश्य राजा के दरबारियों को असहनीय लगा। उनमें से कई लोगों को यह खटकने लगा कि एक साधु कैसे राजा के बराबर बैठकर शासन की बात कर सकता है! सबसे अधिक ईर्ष्या तो राजा के मुख्य सलाहकार को हुई। वह अहंकारी और आत्ममुग्ध व्यक्ति था। उसने मन ही मन सोचा कि यह संत तो राजा के ऊपर प्रभाव जमा लेगा, और धीरे-धीरे मेरा महत्व कम हो जाएगा।

उसका क्रोध दूसरे ही दिन फूट पड़ा। जब संत नोके, राजा और नगर के संभ्रांत नागरिकों के साथ चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तब वह सलाहकार अचानक अंदर आया। उसकी आंखों में अहंकार की ज्वाला थी। उसने ऊंचे स्वर में कहा—

"तुम्हें लोग महान विद्वान कहते हैं, ईश्वर के निकट मानते हैं। तो बताओ, यदि तुम इतने ज्ञानी हो, तो इस क्षण ईश्वर क्या कर रहे हैं?"

संत नोके ने न तो चेहरे पर कोई क्रोध दिखाया, न ही आवाज़ में कठोरता लाई। उन्होंने एक कोमल मुस्कान के साथ उस व्यक्ति की ओर देखा और बोले—

"पुत्र, इस समय ईश्वर वही कर रहे हैं जो वे सदा से करते आए हैं— वे दीन और विनम्र लोगों को ऊपर उठा रहे हैं, और जो अहंकारी हैं, उन्हें नीचे गिरा रहे हैं।"

यह उत्तर मानो बिजली की तरह उस अहंकारी व्यक्ति के हृदय पर गिरा। वहां उपस्थित सभी लोग मौन रह गए। राजा चार्ल्स की आंखों में चमक और भक्ति का भाव उमड़ आया। सलाहकार का सिर झुक गया। उसका अहंकार पिघलने लगा। वह आगे बढ़ा और संत नोके के चरणों में गिरकर बोला—

"मुझे क्षमा करें, प्रभु! मैं अपनी मूर्खता और अभिमान के कारण अंधा हो गया था।"

संत ने उसके सिर पर हाथ रखकर कहा, "पुत्र, क्षमा मांगने वाला पहले ही क्षमायोग्य हो जाता है। याद रखो, विनम्रता ही वह सेतु है जो मनुष्य को ईश्वर से जोड़ती है, और अहंकार वह दीवार है जो हमें उनसे दूर कर देती है।"

राजा चार्ल्स उस दिन देर तक मौन रहे। जब वे मठ से लौटे, तो उनके शब्द थे—

"आज मैंने जाना कि सच्चा राजत्व मुकुट में नहीं, विनम्रता में बसता है। ज्ञान का प्रकाश तभी अर्थपूर्ण है जब वह अहंकार से रहित हो।"

फ्रांस के इतिहास में वह दिन "विनम्रता का दिवस" कहा गया। संत नोके के इस उत्तर ने केवल एक व्यक्ति का अहंकार नहीं तोड़ा, बल्कि पीढ़ियों तक यह संदेश दिया कि ईश्वर के दरबार में विद्वता का नहीं, विनम्रता का ताज पहना जाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: अस्थिर गठबंधन और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व की जंग

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता, नए सिरे से बने गठबंधनों, और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व के बीच सीधे मुकाबले के कारण भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है। यह चुनाव न केवल राज्य के शासन की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस बार का चुनावी परिदृश्य पिछले चुनावों से कई मायनों में अलग है, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बार-बार पाला बदलने ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजनैतिक भविष्य भी तै करेगा। बिहार की राजनीति हमेशा से ही गठबंधनों के टूटने और बनने के लिए जानी जाती है, लेकिन 2025 के चुनाव से पहले का घटनाक्रम अभूतपूर्व रहा। जनवरी 2024 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को छोड़कर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस बार एनडीए में प्रमुख रूप से बीजेपी, जदयू और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) शामिल हैं।

एनडीए गठबंधन विकास और सुशासन के पुराने एजेंडे पर भरोसा कर रहा है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रीय चेहरा एक बड़ा फैक्टर है। हालांकि, नीतीश कुमार के दल-बदल से उपजी विश्वसनीयता का संकट एनडीए के लिए एक चुनौती है। सीट बंटवारे को लेकर कुछ छोटे सहयोगियों में असंतोष की खबरें और मगध जैसे कुछ क्षेत्रों में पिछले चुनाव में एनडीए का कमजोर प्रदर्शन इस गठबंधन के लिए चिंता का विषय है। नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के युवा नेता तेजस्वी यादव महागठबंधन के एकमात्र और निर्विवाद नेता बन गए हैं। इस गठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, और वाम दल (CPI, CPI-ML) शामिल हैं। महागठबंधन का मुख्य फोकस तेजस्वी यादव के 'रोजगार और विकास' के वादे पर है। तेजस्वी, अपने पिता लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के आधार को आर्थिक न्याय के साथ जोड़कर एक नया राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव खुद को परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, जो 'डबल इंजन' सरकार की कथित विफलता और पुराने जंगलराज के आरोपों का मुकाबला 'युवा और विजनरी' नेता की छवि से कर रहे हैं। बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से ही निर्णायक रहे हैं। इस चुनाव में भी '4 C' (कास्ट, कैंडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन) फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जीतन राम मांझी (HAM) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) जैसे छोटे क्षेत्रीय दल, जो क्रमशः मुसहर और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के मतदाताओं पर प्रभाव रखते हैं, निर्णायक साबित हो सकते हैं। VIP, जो अब महागठबंधन में है, मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ के कारण गठबंधन को मजबूती दे सकता है।

यादव-मुस्लिम (MY) समीकरण RJD का पारंपरिक आधार है, जबकि NDA कुर्मी-कोइरी के साथ मिलकर अगड़ी जातियों और दलितों के एक हिस्से को साधने की कोशिश कर रहा है। यह चुनाव केवल गठबंधन की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनहित के मुद्दों पर भी लड़ा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने 10 लाख सरकारी नौकरियों का अपना पुराना वादा दोहराया है, जो राज्य के युवा मतदाताओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। एनडीए 'जंगलराज' के आरोपों को फिर से हवा दे रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव ने इस बार इसे 'डबल जंगलराज' कहकर पलटवार किया है। वे मौजूदा NDA सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

दोनों गठबंधन राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने-अपने दावों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती सर्वे (2025 की शुरुआत में) NDA को बढ़त दिखाते रहे हैं, लेकिन तेजस्वी की ताबड़तोड़ रैलियों और महागठबंधन के जमीनी प्रचार ने मुकाबला काँटे की टक्कर में बदल दिया है।

बिहार का चुनावी परिणाम बहुत हद तक काँटे की टक्कर में फंसा हुआ दिखता है, जहाँ जीत-हार का फैसला कुछ ही सौ वोटों के अंतर से हो सकता है (जैसा कि 2020 में हिल्सा जैसी सीटों पर हुआ था)।

तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव उनकी राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की क्षमता की सबसे बड़ी परीक्षा है। तो यह चुनाव नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत पर एक जनमत संग्रह भी होगा, जिनके बार-बार पाला बदलने की आलोचना हो रही है। एनडीए के भीतर, यह भाजपा की ताकत को भी परखेगा कि क्या वह अपने सहयोगियों पर निर्भरता कम करके खुद को राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित कर सकती है।

इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। 'जन सुराज पार्टी' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित, बुद्धिजीवी, पूर्व नौकर शाह, पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं, जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। देखना है कि बिहार की राजनीति में यह कितना परिवर्तन लाने में सफल होते हैं।

अभियान

कपाल मोचन: ब्रह्म हत्या दोष से मुक्ति देने वाला दिव्य तीर्थ

हरियाणा राज्य के यमुनानगर जिले में बिलासपुर के समीप स्थित पवित्र तीर्थ कपाल मोचन केवल एक साधारण सरोवर नहीं, बल्कि अनादिकाल से चला आ रहा ऐसा दिव्य स्थल है, जहां स्वयं भगवान शंकर ने ब्रह्म हत्या दोष से मुक्ति प्राप्त की थी। यह तीर्थ हिंदू और सिख, दोनों समुदायों के लिए समान रूप से श्रद्धा का केंद्र है। इसे गोपाल मोचन और सोमसर मोचन नामों से भी जाना जाता है। प्राचीन शास्त्रों के अनुसार यह वही स्थान है जिसे औशनस तीर्थ कहा गया है। यहां देवगुरु शुक्राचार्य, जिनका प्राचीन नाम उशनस था, ने कठोर तपस्या की थी। उनके तप से ही यह स्थान औशनस तीर्थ कहलाया। स्कन्द महापुराण में उल्लेख मिलता है कि औशनस तीर्थ, जिसे आज कपाल मोचन कहा जाता है, द्वैतवन नामक पवित्र वन में स्थित था। यह द्वैतवन सरस्वती और यमुना नदियों के मध्य था और इसके दो उपवन — बद्री और सिंधु — अपने सौंदर्य और दिव्यता के कारण प्रसिद्ध थे।

मान्यता है कि सृष्टि के प्रारंभ में स्वयं ब्रह्मा जी ने इसी द्वैतवन में महायज्ञ किया था। इस यज्ञ में सभी देवी-देवता, ऋषि-मुनि और दिव्य प्राणी सम्मिलित हुए थे। ब्रह्मा जी ने यज्ञ के लिए तीन पवित्र हवनकुण्ड स्थापित किए — प्लक्ष, सोम सरोवर और ऋण मोचन। किंतु उस यज्ञ के दौरान, कलियुग के प्रभाव से ब्रह्मा के मन में अपनी ही सृष्टि, देवी सरस्वती के प्रति तामसिक भाव उत्पन्न हुआ। इससे दुखी सरस्वती देवी ने भगवान शंकर से शरण मांगी।

शंकर भगवान क्रोधित हो उठे और धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने ब्रह्मा जी का एक सिर काट दिया। यद्यपि यह कार्य धर्मरक्षा के लिए था, फिर भी एक ब्राह्मण की हत्या के कारण स्वयं महादेव को ब्रह्म हत्या दोष लग गया। वे समस्त तीर्थों पर गए, सब पवित्र नदियों में स्नान किया, परंतु दोष नहीं मिटा।

भ्रमण करते-करते भगवान शिव पार्वती सहित सोमसर तालाब के निकट देव शर्मा नामक ब्राह्मण के घर ठहरे। वहां भगवान समाधि में लीन हो गए, किंतु माता पार्वती को उनके ऊपर लगे दोष की चिंता सताने लगी। उसी रात्रि एक विचित्र घटना घटी। पास ही एक गाय और उसका बछड़ा वार्तालाप कर रहे थे। बछड़े ने कहा, "मां! सुबह यह ब्राह्मण मुझे बधिया करेगा, मैं उससे पहले उसकी हत्या कर दूंगा।" गाय ने भयभीत होकर कहा, "पुत्र! ऐसा मत करना, यह ब्रह्म हत्या का पाप होगा।" तब बछड़े ने उत्तर दिया, "माता! मुझे उस पाप से मुक्त होने का उपाय पता है।"

माता पार्वती यह सब सुनती रहीं। सुबह जब ब्राह्मण ने बछड़े को बधिया करना चाहा, तो बछड़े ने उसे मार दिया। तत्क्षण बछड़े और गाय का रंग काला हो गया — ब्रह्म हत्या के घोर दोष का परिणाम। दुखी होकर गाय रोने लगी। तब बछड़े ने कहा, "मां, मेरे पीछे आओ।" वह सोमसर सरोवर में पश्चिम से प्रवेश कर पूर्व दिशा से निकला और उसका रंग फिर से सफेद हो गया। केवल उसके सींग और पैर, जो कीचड़ और जल से बाहर थे, काले ही रह गए।

यह दृश्य भगवान शंकर और माता पार्वती देख रहे थे। माता ने कहा, "स्वामी! इस जल में स्नान करने से ही ब्रह्म हत्या दोष मिट सकता है। जैसे इस बछड़े का पाप धुल गया, वैसे ही आपका भी नष्ट होगा।" भगवान शंकर ने तत्क्षण उस सरोवर में स्नान किया और उनका कपाली दोष समाप्त हो गया। उन्होंने सरोवर के तट पर गाय और बछड़े को दर्शन दिए और उन्हें वरदान देकर बैकुंठ लोक भेज दिया।

आज भी इस सरोवर के पश्चिमी तट पर राम आश्रम घाट के पास काले रंग की गाय और बछड़े की प्रतिमाएं हैं, और पूर्वी तट पर सफेद प्रतिमाएं स्थापित हैं — जो इस चमत्कार की साक्षी हैं। इसी कारण यह सरोवर कपाल मोचन नाम से विख्यात हुआ — अर्थात वह स्थल, जहां से कपाली दोष यानी ब्रह्म हत्या का पाप नष्ट हो गया। त्रेता युग में जब भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया, जो कि ब्राह्मण और वेदों का ज्ञाता था, तब उन्हें भी ब्रह्म हत्या का दोष लगा। उन्होंने इसी पवित्र सरोवर में स्नान कर उस पाप से मुक्ति पाई। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और पांडवों ने महाभारत युद्ध के पश्चात यहां स्नान किया और पितृ ऋण से मुक्ति प्राप्त की। इंद्रदेव को भी दो तपस्वी ब्राह्मणों की हत्या के कारण यही दोष लगा था। अपने गुरु बृहस्पति के निर्देश पर इंद्र ने भी इसी तीर्थ में स्नान कर मुक्ति पाई। स्कन्द पुराण में कहा गया है कि कपाल मोचन तीर्थ में स्नान करने से ब्रह्म हत्या, पितृ दोष, ऋण दोष और संतानहीनता जैसे सभी दुख दूर होते हैं। यहां दान करने और सत्य आचरण करने से जीवन के सभी पाप मिट जाते हैं और व्यक्ति को परम शांति प्राप्त होती है।

कपाल मोचन तीर्थ का महत्व केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। सिख परंपरा में भी इसका विशेष स्थान है। दशम गुरु श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी भंगानी युद्ध के बाद 52 दिन तक यहीं रुके थे। उन्होंने ऋण मोचन और कपाल मोचन दोनों सरोवरों में स्नान किया, अपने अस्त्र-शस्त्रों की शुद्धि की और यहां के महंत को हस्तलिखित पट्टा और ताम्रपत्र भेंट किया, जो आज भी सुरक्षित है। कपाल मोचन और ऋण मोचन के बीच आज भी स्थित है एक प्राचीन अष्टकोणीय गुरुद्वारा, जो गुरु गोबिन्द सिंह जी की उस ऐतिहासिक उपस्थिति का प्रमाण है।

कपाल मोचन आज भी आस्था, शांति और मुक्ति का केंद्र है। यहां आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु केवल तीर्थ स्नान नहीं करता, बल्कि वह अपने भीतर के अहंकार, पाप और अज्ञान के बंधनों को धोकर ईश्वर की शरण में प्रवेश करता है। युगों-युगों से यह तीर्थ मनुष्य को यह संदेश देता रहा है कि सच्चा मोचन बाहरी जल से नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और भक्ति के जल से होता है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH

मुंबई में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का शुभारंभ

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की प्रभावी प्रस्तुति की
- भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा 27 से 31 अक्टूबर तक 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' का आयोजन
- गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, गोवा एवं ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की भी प्रेरक उपस्थिति
- प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपना कर राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

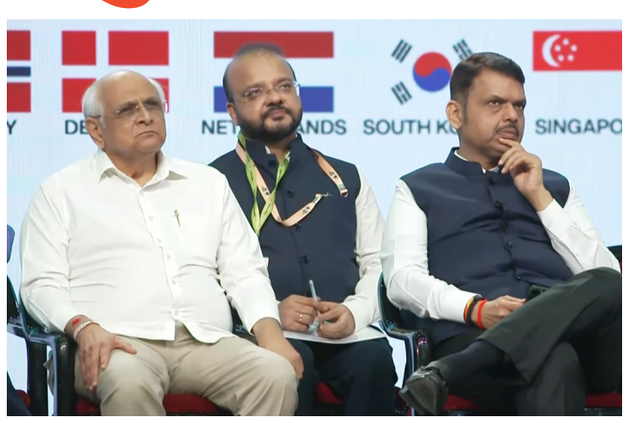

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात में चिप एवं शिप बनाने का इकोसिस्टम विकसित हुआ है, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल देगा
- सामुद्रिक विरासत की पिछले दो दशकों की यात्रा ने गुजरात को विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बना दिया है
- राज्य में मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है
- देश के कुल कारगो ट्रैफिक का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन गुजरात के बंदरगाहों पर से होता है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए 2047 तक गुजरात के मेजर व नॉन-मेजर पोर्ट्स की क्षमता बढ़ाकर 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को मुंबई में 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुजरात ने 'समुद्र से समृद्धि' का मार्ग अपनाया है और राज्य के बंदरगाहों को समृद्धि का द्वार बनाया है।

भारत सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्रालय द्वारा बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में 27 से 31 अक्टूबर के दौरान आयोजित 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के उद्घाटन सत्र में श्री पटेल ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर के विकास की प्रभावी प्रस्तुति की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से मुंबई में इस द्विवार्षिक मेगा इवेंट का शुभारंभ केन्द्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जल मार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल तथा महाराष्ट्र, गोवा व ओडिशा के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में हुआ। इस अग्रणी वैश्विक मैरीटाइम इवेंट में 100 से अधिक देशों के मैरीटाइम इंडस्ट्री के लीडर्स, इनोवेटर्स, इन्वेस्टर्स तथा स्टेकहोल्डर्स एक मंच पर सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री ने इस समिट के उद्घाटन सत्र में गुजरात की सामुद्रिक विरासत तथा वर्तमान वैश्विक विकास की गाथा प्रस्तुत करते हुए कहा कि गुजरात में चिप तथा शिप; दोनों को विकसित करने का जो इकोसिस्टम स्थापित हुआ है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को वेगवान बनाएगा।

उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्रभाई तथा श्री अमितभाई के मार्गदर्शन में गुजरात आज जब मैरीटाइम एक्सीलेंस का ग्लोबल लीडर बना है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब से यानी दो दशक पहले से गुजरात के समुद्री विकास की गौरवशाली यात्रा का प्रारंभ हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को 'समुद्र से समृद्धि' का विजन दिया, जिसके फलस्वरूप आज गुजरात विश्वभर के देशों के लिए मैरीटाइम गेटवे ऑफ द नेशन बन गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने जोड़ा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात ने पोर्ट्स को सड़क मार्ग तथा रेल नेटवर्क से जोड़कर सुदृढ़ कनेक्टिविटी प्रदान की है तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया है। प्रधानमंत्री के विजन से आज गुजरात के बंदरगाह व्यापार के केन्द्रों के साथ-साथ रोजगार, उद्योग तथा विकास के जीवंत केन्द्र बने हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के मैरीटाइम सेक्टर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात ने देश को पोर्ट लेड डेवलपमेंट का एक अनूठा व सफल मॉडल दिया है। आज गुजरात देश के कुल कारगो का 40 प्रतिशत से अधिक संचालन करता है।

उन्होंने जोड़ा कि देश के एलएनजी-एलपीजी क्षेत्र में भी गुजरात अग्रसर है। दहेज में स्थित एलएनजी टर्मिनल का देश के कुल एलएनजी-एलपीजी हैंडलिंग में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। इसके अलावा; देश के कुल जहाज रिसाइकलिंग का 98 प्रतिशत गुजरात के अलंग शिप रिसाइकलिंग यार्ड में होता है।

उन्होंने कहा कि गुजरात की मैरीटाइम पहचान केवल मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर तक सीमित न रहते हुए राज्य के प्राचीन विरासत, वैभव एवं गौरव का भी अभिन्न हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने डॉकयार्ड लोथल में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो रहा है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री के विजन 'विकास भी, विरासत भी' का जीवंत उदाहरण है।

उन्होंने इस बात की भूमिका प्रस्तुत की कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 को साकार करने के लिए गुजरात के मेजर व नॉन-मेजर पोर्ट्स की क्षमता 2047 तक 3 हजार एमएमटीपीए करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी के विजन को प्रोत्साहन देने संबंधी गुजरात के प्रयासों का वर्णन करते हुए श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करने के लिए गुजरात अनेक ब्लू इकोनॉमी स्ट्रैटेजीस पर कार्य कर रहा है। इसके लिए मैरीटाइम इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट तथा मैरीटाइम सेक्टर के समग्र इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने कोस्टल कम्युनिटी डेवलपमेंट तथा फिशरीज से जुड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया है। इसी प्रकार; सागरमाला प्रोजेक्ट अंतर्गत पोर्ट मॉडर्नाइजेशन, कनेक्टिविटी तथा स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी के प्रोजेक्ट्स पर भी तेज गति से कार्य हो रहा है।

उन्होंने राज्य के शिप रिसाइकलिंग उद्योग की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े शिप रिसाइकलिंग यार्ड अलंग में स्थित इंस्टीट्यूट द्वारा 40 हजार से अधिक युवाओं का कौशल्यवर्धन भी किया गया है। इसके माध्यम से भविष्य में शिप रिसाइकलिंग सेक्टर में रोजगार तथा सुरक्षा प्रदान किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व की टॉप फाइव शिप बिल्डिंग कंट्रीज में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके अनुरूप गुजरात वर्तमान शिप याड्र्स की कैपेसिटी बढ़ाकर कम्प्लीट सपोर्टिव पॉलिसी फ्रेमवर्क भी तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री के विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत विजन को साकार करने के लिए मैरीटाइम सेक्टर के इनक्लुजिव ग्रोथ पर बल दिया और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री सर्वश्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार तथा अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

वडोदरा मंडल के 41 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने मंडल के 41 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वडोदरा मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि ये सभी कर्मचारी अपने कार्य के प्रति समर्पित रहकर दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे कि वैगन में धुआ निकलते देखा, ब्रेक बाइंडिंग, वैगन का बोल्स्टर स्प्रिंग टूटी अवस्था में तुरंत अपने अधिकारियो को बताना, ट्रैक के पास लगी आग को बुझाना, मानव जीवन की रक्षा करना आदि में सक्रिय योगदान देकर ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में अपना अदम्य उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडलं को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

रेल मंत्रालय ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 (27 अक्टूबर-2 नवंबर) की शुरुआत की

- सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की थीम "सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी" शासन में नैतिक आचरण और पारदर्शिता पर बल देती है
- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों से पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के जरिए ईमानदारी, दक्षता और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों को बनाए रखने की अपील की
- रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता को बढ़ावा देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, पोस्टर अभियानों और संवादमूलक सत्रों सहित सप्ताह भर के कार्यकलापों की योजना बनाई

(जीएनएस)। रेल मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की अगुवाई में आयोजित राष्ट्रव्यापी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अनुरूप, रेलवे बोर्ड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मना रहा है। इस सप्ताह का उद्देश्य लोक प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीआरबी) श्री सतीश कुमार द्वारा रेलवे बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर हुई। शपथ समारोह में मंत्रालय के विभिन्न निदेशालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष और वर्चुअल रुप से भाग लिया। यह समारोह 27 अक्टूबर, 2025 से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगा।

केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा अधिसूचित सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 की विषय-वस्तु है, "सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी।" यह विषय-वस्तु नैतिक आचरण, शासन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त संगठन के निर्माण के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व के महत्व पर बल देती है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ ने अपने संबोधन में सुशासन को बढ़ावा देने में सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और सभी अधिकारियों से ईमानदारी, दक्षता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने पारदर्शिता को सुदृढ़ करने और कदाचार की आशंका कम करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा किए गए विभिन्न डिजिटल और प्रणालीगत सुधारों को भी रेखांकित किया।

रेलवे बोर्ड के सतर्कता निदेशालय ने पूरे सप्ताह के दौरान कई कार्यकलापों की योजना बनाई है, जिनमें संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, पोस्टर अभियान और संवादमूलक सत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में निवारक सतर्कता और नैतिकता के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है।

श्रीलंकाई नौसेना ने डूबते जहाज से नौ भारतीयों को बचाया, समुद्र में चला तीन घंटे लंबा रेस्क्यू अभियान

(जीएनएस)। कोलंबो। हिंद महासागर में सोमवार को एक बड़ा समुद्री हादसा टल गया जब श्रीलंकाई नौसेना ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एक संकटग्रस्त वाणिज्यिक पोत 'इंटीग्रिटी स्टार' से 14 लोगों को सकुशल निकाल लिया। इन बचाए गए लोगों में नौ भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह पोत श्रीलंका के दक्षिण में लगभग 100 समुद्री मील दूर इंजन फेल होने के बाद नियंत्रण खो बैठा था।

नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि पोत के चालक दल ने इंजन में आई गंभीर खराबी के बाद सहायता संदेश भेजा था। यह संदेश श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के पास पहुंचा, जिसके निर्देश पर तुरंत समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने 'समुद्रा' नामक नौसैनिक पोत को मौके पर रवाना किया। करीब तीन घंटे चले खोज और बचाव अभियान के बाद सभी 14 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के अनुसार, समुद्र में लगातार बढ़ती लहरें और इंजन की विफलता के कारण इंटीग्रिटी स्टार गहरे संकट में फंस गया था। चालक दल के पास सीमित समय और साधन बचे थे। श्रीलंका की नौसेना के पहुंचने से पहले ही पास से गुजर रहे एक अन्य वाणिज्यिक पोत 'मॉर्निंग ग्लोरी' ने भी सहायता प्रदान की और रेस्क्यू मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी चालक दल के सदस्य, जिनमें नौ भारतीय, दो फिलीपीन और तीन श्रीलंकाई नागरिक शामिल हैं, को दक्षिणी श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह लाया गया। वहां उनका प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और सभी को सुरक्षित घोषित किया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। दोनों देशों की नौसेनाओं ने हाल ही में कई संयुक्त अभ्यास किए हैं ताकि समुद्री आपदाओं और संकटों के दौरान तेजी से कार्रवाई की जा सके। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह रेस्क्यू मिशन हिंद महासागर में सक्रिय समुद्री समन्वय तंत्र की सफलता का उदाहरण है। अगर नौसेना समय पर प्रतिक्रिया नहीं देती, तो यह हादसा गंभीर रूप ले सकता था। फिलहाल 'इंटीग्रिटी स्टार' को मरम्मत के लिए हंबनटोटा के डॉक यार्ड में खड़ा किया गया है, जहां तकनीकी दल इंजन की खराबी की जांच कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में छठ पूजा महापर्व में शामिल हुए

छठ पूजा एकमात्र महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है
- बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल करने के लिए प्रयासरत है

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सोमवार को अहमदाबाद में छठ महापर्व पूजा उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने सभी लोगों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भव्य-दिव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दिवाली का आनंद और रौनक कई गुना बढ़ गई है। प्रधानमंत्री ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का मंत्र दिया है, जो हमारे त्योहारों को भी साकार करता है। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि गुजरात में दीपावली के त्योहार पूरे होने के बाद लोग लाभ पंचमी से अपना कामकाज शुरू करते हैं, जबकि बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में सूर्य उपासना के छठ महापर्व की शुरुआत होती है।

उन्होंने कहा कि बिहार में छठ महापर्व के साथ-साथ लोकतंत्र के महापर्व के उत्सव का उत्साह है। छठ पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में लोग उदयाचल सूर्य की पूजा करते हैं, लेकिन छठ पूजा एकमात्र ऐसा महापर्व है, जिसमें अस्ताचलगामी सूर्य की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गुजरात और बिहार का नाता आदिकाल से विशेष रहा है। बिहार बुद्ध की भूमि है, तो गुजरात में बौद्ध विरासत का संरक्षण हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्म स्थल वडनगर भी कभी बौद्ध शिक्षा का एक बड़ा केंद्र था। श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में वडनगर में बौद्ध म्यूजियम का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात के सपूत महात्मा गांधी जी ने स्वतंत्रता का पहला आंदोलन बिहार के चंपारण से शुरू किया था और गुजरात के दांडी से नमक सत्याग्रह के जरिए ब्रिटिश सल्तनत के खिलाफ अहिंसक आंदोलन की शुरुआत की थी। बिहारी सहित अनेक लोगों ने गुजरात को अपनी कर्मभूमि बनाया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए दिए गए संकल्प को पूरा करने के लिए सभी देशवासियों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का अनुरोध किया और छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए हम सभी स्वदेशी अपनाकर और स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर प्रोत्साहन दें।

इस छठ पूजा का आयोजन छठ महापर्व समन्वय ट्रस्ट, हिंदी भाषी महासंघ और मां जानकी सेवा समिति के तत्वावधान में किया गया था। अहमदाबाद में बसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के परिवार इस छठ पूजा उत्सव में हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए।

छठ महापर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. महादेव झा ने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत करते हुए छठ पूजा उत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से छठ महापर्व अब बिहार तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आज यह महापर्व पूरे देश का महापर्व बन गया है। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला, विधायक डॉ. पायलबेन कुकराणी, उप महापौर श्री जतिनभाई पटेल, मनपा स्थाई समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी, अपर मुख्य सचिव श्री एम.के. दास और श्री एस.जे. हैदर, पूर्व मंत्री श्री आई.के. जाडेजा, श्री गोरधनभाई झड़फिया, श्री प्रदीप परमार और बिहार सहित अन्य राज्यों के परिवार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सोना वायदा 2020 रुपये और चांदी वायदा 3049 रुपये लुढ़काः क्रूड ऑयल वायदा में 9 रुपये का सुधार

कमोडिटी वायदाओं में 36930.83 करोड़ रुपये और कमोडिटी ऑप्शंस में 300669.68 करोड़ रुपये का दर्ज हुआ टर्नओवरः सोना-चांदी के वायदाओं में 31011.47 करोड़ रुपये का हुआ कारोबारः बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स फ्यूचर्स 28518 पॉइंट के स्तर पर

(जीएनएस)। मुंबईः देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस, इंडेक्स फ्यूचर्स और ऑप्शंस में 337618.96 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदाओं में 36930.83 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में 300669.68 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स का अक्टूबर वायदा 28518 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2665.58 करोड़ रुपये का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 31011.47 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना दिसंबर वायदा सत्र के आरंभ में 122500 रुपये के भाव पर खूलकर, 122890 रुपये के दिन के उच्च और 121268 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 123451 रुपये के पिछले बंद के सामने 2020 रुपये या 1.64 फीसदी लुढ़ककर 121431 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। गोल्ड-गिनी अक्टूबर वायदा 1079 रुपये या 1.09 फीसदी गिरकर 97506 रुपये प्रति 8 ग्राम हुआ। गोल्ड-पेटल अक्टूबर वायदा 151 रुपये या 1.22 फीसदी गिरकर 12195 रुपये प्रति 1 ग्राम हुआ। सोना-मिनी नवंबर वायदा सत्र के आरंभ में 121759 रुपये के भाव पर खूलकर, 121899 रुपये के दिन के उच्च और 120397 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 1976 रुपये या 1.61 फीसदी गिरकर 120573 रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ। गोल्ड-टेन अक्टूबर वायदा प्रति 10 ग्राम सत्र के आरंभ में 121678 रुपये के भाव पर खूलकर, 122338 रुपये के दिन के उच्च और 120531 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 122774 रुपये के पिछले बंद के सामने 1978 रुपये या 1.61 फीसदी गिरकर 120796 रुपये प्रति 10 ग्राम हुआ।

चांदी के वायदाओं में चांदी दिसंबर वायदा 142910 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 147479 रुपये और नीचे में 142910 रुपये पर पहुंचकर, 147470 रुपये के पिछले बंद के सामने 3049 रुपये या 2.07 फीसदी औंधकर 144421 रुपये प्रति किलो पर आ गया। इनके अलावा चांदी-मिनी नवंबर वायदा 2844 रुपये या 1.9 फीसदी घटकर 146622 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि चांदी-माइक्रो नवंबर वायदा 2829 रुपये या 1.89 फीसदी घटकर 146751 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

मेटल वर्ग में 2342.70 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा अक्टूबर वायदा 8.3 रुपये या 0.83 फीसदी की तेजी के संग 1002.9 रुपये प्रति किलो हुआ। जबकि जस्ता अक्टूबर वायदा 3.35 रुपये या 1.12 फीसदी की तेजी के संग 303 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंचा। इसके सामने एल्यूमीनियम अक्टूबर वायदा 1.1 रुपये या 0.41 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 266.6 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा अक्टूबर वायदा 80 पैसे या 0.45 फीसदी चढ़कर 179.75 रुपये प्रति किलो हुआ।

इन जिंसों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 3374.85 करोड़ रुपये के सौदे किए। एमसीएक्स क्रूड ऑयल नवंबर वायदा सत्र के आरंभ में 5454 रुपये के भाव पर खूलकर, 5472 रुपये के दिन के उच्च और 5368 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 9 रुपये या 0.17 फीसदी की तेजी के संग 5436 रुपये प्रति बैरल हुआ। जबकि क्रूड ऑयल-मिनी नवंबर वायदा 6 रुपये या 0.11 फीसदी की तेजी के संग 5435 रुपये प्रति बैरल के भाव पर पहुंचा। इनके अलावा नैचुरल गैस अक्टूबर वायदा 287.5 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 298.8 रुपये और नीचे में 284.3 रुपये पर पहुंचकर, 282.2 रुपये के पिछले बंद के सामने 7.7 रुपये या 2.73 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 289.9 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर आ गया। जबकि नैचुरल गैस-मिनी अक्टूबर वायदा 7.6 रुपये या 2.69 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 289.9 रुपये प्रति एमएमबीटीयू पर आ गया।

कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल अक्टूबर वायदा 914 रुपये पर खूलकर, 2 रुपये या 0.22 फीसदी बढ़कर 919 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 19682.54 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 11328.93 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 1680.63 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 233.17 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 32.42 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 396.04 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

इन जिंसों के अलावा क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 783.10 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 2573.28 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। मेंथा ऑयल के वायदा में 9.75 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। ओपन इंटरेस्ट सोना के वायदाओं में 15379 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 63411 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 19427 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 289521 लोट और गोल्ड-टेन के वायदाओं में 28952 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 27013 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 56367 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 155191 लोट के स्तर पर था। क्रूड ऑयल के वायदाओं में 16787 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 24889 लोट के स्तर पर था।

इंडेक्स फ्यूचर्स में बुलडेक्स अक्टूबर वायदा 28830 पॉइंट पर खूलकर, 28830 के उच्च और 28441 के नीचले स्तर को छूकर, 312 पॉइंट घटकर 28518 पॉइंट के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

कमोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में क्रूड ऑयल नवंबर 5400 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल 11.9 रुपये की गिरावट के साथ 207.1 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस नवंबर 350 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 1.35 रुपये की बढ़त के साथ 22.75 रुपये हुआ।

सोना अक्टूबर 125000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 611.5 रुपये की गिरावट के साथ 495 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी अक्टूबर 150000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 756 रुपये की गिरावट के साथ 266 रुपये हुआ। तांबा नवंबर 1000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 4.66 रुपये की बढ़त के साथ 32 रुपये हुआ। जस्ता नवंबर 300 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 1.82 रुपये की बढ़त के साथ 6 रुपये हुआ।

लौह पुरुष सरदार साहेब की 150वीं जयंती एकता नगर-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में शानदार ढंग से मनाई जाएगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'राज्य अनेक-राष्ट्र एक, समाज अनेक-भारत एक, भाषा अनेक-भाव एक, रंग अनेक-तिरंगा एक' को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ साकार किया जाएगा

- दिल्ली में आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर एकता नगर में होगी भव्य परेड
- विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करते कार्यक्रमों का आयोजन
- 'एकत्व' थीम पर आधारित 10 झांकियों की प्रस्तुति, जो राज्यों की उपलब्धियां दर्शाएंगी
- भारत पर्व के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक, एक साथ, एक ही स्थान पर अनेकता में एकता को चरितार्थ करती सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी
- 15 नवंबर तक चलने वाले एकता प्रकाश पर्व में एकता नगर में खूबसूरत रोशनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखने का मौका
- आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर को एसओयू में भव्य कार्यक्रम का आयोजन
- 17 नवंबर को साइक्लोथॉन प्रतियोगिता में देश भर के 5000 प्रतिस्पर्धी हिस्सा लेंगे

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय एकता दिवस के शानदार समारोह में देंगे मार्गदर्शन
- केंद्र और राज्य सरकार द्वारा तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

(जीएनएस)। गांधीनगर : अखंड भारत के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती 31 अक्टूबर को एकता नगर-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को उजागर करते हुए मनाई जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देश भर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उल्लेखनीय है कि सरदार साहब की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' में प्रति वर्ष प्रधानमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस वर्ष सरदार साहब की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के शानदार और अनूठे समारोह मं अनेक प्रकार के आयोजन किए गए हैं।

नई दिल्ली में प्रति वर्ष 26 जनवरी को आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की तर्ज पर इस वर्ष 31 अक्टूबर को एकता नगर में मूविंग परेड आयोजित की जाएगी।

मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी और पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय ने इस भव्य समारोह की समग्र कार्य योजना की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस की इस परेड में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जम्मू और कश्मीर, पंजाब, असम, त्रिपुरा, ओडिशा, छत्तीसगढ़, केरल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) सहित कुल 16 टुकड़ियां हिस्सा लेंगी।

इतना ही नहीं, इस परेड में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय साहस का प्रदर्शन करने वाले बीएसएफ के 16 वीरता पदक विजेता और सीआरपीएफ के पांच शौर्य चक्र विजेता बहादुर जवान भी खुली जिप्सी में सवार होकर शामिल होंगे।

इस परेड का नेतृत्व विभिन्न रंग-बिरंगी वेशभूषा और अलग-अलग वाद्य यंत्रों से सुसज्जित हेराल्डिंग टीम के लगभग 100 सदस्य करेंगे।

एकता परेड में 9 बैंड दल भी शामिल होंगे, जो अपनी कर्णप्रिय धुनों के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके अलावा, राज्य स्तर पर विजेता गुजरात के दो स्कूल बैंड और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्कूल बैंड प्रतियोगिता में विजेता दो स्कूल बैंड सहित कुल चार स्कूल बैंड द्वारा बैंड प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से देशवासियों को दिया गया मंत्र 'राज्य अनेक-राष्ट्र एक, समाज अनेक-भारत एक, भाषा अनेक-भाव एक और रंग अनेक-तिरंगा एक' को चरितार्थ करने वाले कार्यक्रम इस एकता परेड और राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह को और भी गरिमामय बनाएंगे।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस अवसर पर केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत भी नजर आएगी।

उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरदार साहब की प्रतिमा की पद पूजा करने के बाद परेड और विभिन्न कार्यक्रमों उपस्थित रहने के लिए आएंगे, तब केंद्रीय सुरक्षा बलों और गुजरात पुलिस के दस्तों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और इसी के साथ पूरे कार्यक्रम का शानदार प्रारंभ होगा।

इस परेड में विभिन्न राज्यों और सीआरपीएफ द्वारा 'एकत्व' थीम पर आधारित 10 झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जो उनकी विशेषताओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगी। ये झांकियां राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), जम्मू कश्मीर, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, महाराष्ट्र, गुजरात, मणिपुर, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड द्वारा प्रस्तुत की जाएंगी।

इसके अलावा, भारतीय वायुसेना द्वारा 'ऑपरेशन सूर्यकिरण' के अंतर्गत फ्लाई पास्ट की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही, सीआरपीएफ और गुजरात पुलिस की महिला कर्मचारियों द्वारा संयुक्त राइफल ड्रिल, एनएसजी द्वारा हेल मार्च, असम पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल डेयरडेविल शो तथा बीएसएफ के भारतीय नस्ल का डॉग शो, सीआईएसएफ और आईटीबीपी की महिला कर्मियों द्वारा पारंपरिक मार्शल आर्ट, एसएसबी द्वारा बैंड प्रदर्शन और एनसीसी की टुकड़ी भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष बैठक क्षमता को बढ़ाकर 11,500 से अधिक कर दिया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस परेड को देख सकें। इसके अलावा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पोर्टल भी लॉन्च किया गया है, जिस पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के जरिए कोई भी व्यक्ति एकता परेड के कार्यक्रम में शामिल हो सकता है।

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रति वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा एकता नगर में 'आरंभ' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष इस कार्यक्रम में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) के लगभग 660 प्रशिक्षु हिस्सा लेंगे।

इस अवसर पर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा द्वारा भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की पहल पर सरदार साहेब के जीवन-दर्शन को उजागर करने वाली 'लौह पुरुष' नामक नाट्य प्रस्तुति भी दी जाएगी।

श्री पंकज जोशी और श्री विकास सहाय ने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा प्रकाश पर्व दिवाली, नूतन वर्ष और सरदार साहेब की जयंती के त्रिविध उत्सव पर आगंतुकों के लिए 17 अक्टूबर से 15 नवंबर के दौरान एकता नगर में प्रकाश पर्व के तहत प्रतिदिन शाम 7 से 11 बजे तक सुंदर और मनमोहक प्रकाश व्यवस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन गया है।

इसके लिए एकता नगर स्थित वैली ऑफ फ्लॉवर्स जाने वाली सड़क को 13 थीमों पर आधारित जोन में बांटा गया है और प्रत्येक जोन में सिलींग लाइट, रोड साइड इल्युमिनेशन आर्टिकल्स और फोटो-सेल्फी पॉइंट्स बनाए गए हैं।

लौह पुरुष सरदार पटेल ने एक और अखंड भारत का निर्माण किया है, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के मंत्र से और अधिक सुदृढ़ बनाया है। इस वर्ष सरदार साहब की 150वीं जयंती के वर्ष में एकता नगर में 1 से 15 नवंबर के दौरान भारत पर्व-2025 का भी भव्य आयोजन किया गया है। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने इस आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस पर्व में लोगों को 'अनेकता में एकता ही हमारी विशेषता' का भाव प्रदर्शित करने वाली संस्कृति की झलक एक ही स्थान पर देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इन 15 दिनों के दौरान 45 फूड स्टॉल, 55 हस्तकला और हथकरघा स्टॉल, विभिन्न राज्यों के पवेलियन्स और 28 राज्यों एवं 8 केंद्रशासित प्रदेशों की सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

भारत पर्व-2025 के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर के दौरान प्रतिदिन शाम देश के दो-दो राज्यों की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो उन राज्यों की परंपरागत कला एवं संस्कृति को उजागर करेंगी।

आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा जी की भी इस वर्ष 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इस उपलक्ष्य में एकता नगर में बिरसा मुंडा जयंती पर विशेष प्रस्तुति का आयोजन किया गया है।

इसके साथ ही, विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पारंपरिक खानपान-व्यंजनों का आनंद उठाने के लिए 45 फूड स्टॉल और एक लाइव स्टूडियो किचन का भी आयोजन किया गया है।

मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने आगे कहा कि डेम व्यू पॉइंट-1 में होने वाले 15 दिवसीय कार्यक्रमों का समापन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर साइक्लोथॉन इवेंट के साथ होगा। इसमें 16 नवंबर को भारत और गुजरात सरकार के विशेष महानुभावों के साथ साइकिलिंग फन राइड और 17 नवंबर को गुजरात सरकार के खेल विभाग के सहयोग से साइक्लोथॉन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में पूरे देश से लगभग 5 हजार साइकिल चालक हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया गया है और एकता नगर में आयोजित प्रकाश पर्व तो दीपावली के त्योहारों के दौरान लाखों लोगों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का यह गरिमामय कार्यक्रम जन-जन में राष्ट्रप्रेम को मजबूत बनाएगा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को उजागर करने वाला अनूठा उत्सव बनेगा।

कोटखाई दुष्कर्म एवं हत्या मामला फिर चर्चा में, नीलू चरानी की उम्रकैद के खिलाफ अपील पर 26 नवंबर को हाई कोर्ट में अंतिम सुनवाई

(जीएनएस)। शिमला। हिमाचल प्रदेश को हिला देने वाले बहुचर्चित कोटखाई छात्रा दुष्कर्म और हत्या मामले में दोषी करार दिए गए नीलू चरानी की अपील पर अब अंतिम सुनवाई 26 नवंबर को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में होगी। यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है, क्योंकि दोषी नीलू ने खुद को निर्दोष बताते हुए सीबीआई कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की है। अदालत ने राज्य सरकार को गृह सचिव के माध्यम से प्रतिवादी बनाने के आदेश दिए थे और साथ ही नीलू की हिरासत से संबंधित प्रमाणपत्र भी पेश करने के निर्देश जारी किए थे। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायाधीश जिया लाल भारद्वाज की खंडपीठ के समक्ष इस मामले पर सुनवाई चल रही है। अब अदालत ने 26 नवंबर को अंतिम सुनवाई की तारीख तय की है, जिसके बाद इस लंबे समय से चले आ रहे मुकदमे का निर्णायक चरण आने की उम्मीद है।

यह मामला वर्ष 2017 में शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र का है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, चार जुलाई 2017 को नीलू चरानी ने एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी थी। जांच में सामने आया था कि छात्रा और नीलू के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद यह वीभत्स घटना घटी।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया था और 13 जुलाई 2017 को एक पत्रकार वार्ता कर दावा किया था कि उन्होंने अपराधियों को पकड़ लिया है। लेकिन हाई कोर्ट ने मामले में पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए यह केस सीबीआई को सौंप दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि प्रारंभिक जांच में कई गंभीर खामियां हैं और निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है।

सीबीआई ने दोबारा जांच शुरू की और पाया कि स्थानीय पुलिस ने गलत दिशा में जांच की थी। जांच के दौरान हिरासत में लिए गए एक आरोपित सूरज की 19 जुलाई 2017 की रात पुलिस हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिससे मामला और अधिक विवादों में घिर गया। इसके बाद जनाक्रोश फैल गया और पुलिस पर पक्षपात के आरोप लगे।

सीबीआई ने वैज्ञानिक जांच, पॉलिग्राफ टेस्ट, नार्को एनालिसिस, ब्रेन इलेक्ट्रिकल ऑस्सिलेशन सिग्नेचर प्रोफाइलिंग और फॉरेंसिक साइकोलॉजिकल रिपोर्ट के आधार पर पाया कि जिन पांच लोगों को पहले पकड़ा गया था, वे सभी निर्दोष थे। जांच के अंतिम चरण में नीलू चरानी को अपराध का दोषी पाया गया और उसे सीबीआई कोर्ट, शिमला ने उम्रकैद की सजा सुनाई।

अब नीलू ने इस सजा को चुनौती देते हुए दावा किया है कि उसे गलत तरीके से फंसाया गया है और सीबीआई ने जांच में कई तथ्यों की अनदेखी की। हाई कोर्ट में उसकी अपील पर सुनवाई के दौरान सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि हिरासत प्रमाणपत्र और मामले से संबंधित दस्तावेज पूरे और सटीक हैं या नहीं।

स्थानीय लोगों और पीड़िता के परिजनों की निगाहें अब 26 नवंबर की सुनवाई पर टिकी हैं। यह सुनवाई इस बहुचर्चित प्रकरण की अंतिम कानूनी दिशा तय करेगी। सात साल पुराने इस केस ने जहां हिमाचल की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए, वहीं न्यायिक प्रक्रिया की जटिलता और लंबाई को भी उजागर किया। अब देखना यह है कि हाई कोर्ट का अंतिम फैसला इस दर्दनाक मामले को किस अंजाम तक पहुंचाता है।

हरदोई में चोरी गिरोह का पर्दाफाश, 25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल, पांच साथी गिरफ्तार

(जीएनएस)। हरदोई। जिले की कछौना पुलिस ने लगातार हो रही चोरियों का खुलासा करते हुए एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि गिरोह का सरगना और 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर कपिल पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे घायल अवस्था में पकड़कर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

बीते कुछ महीनों से कछौना और आसपास के इलाकों में लगातार चोरी की वारदातें हो रही थीं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल था। एसपी अशोक कुमार मीण ने घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर मामले के राजफाश के निर्देश दिए थे। इसके बाद पुलिस टीम ने सक्रिय होकर गिरोह की तलाश शुरू की। सोमवार को कछौना पुलिस ने विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों निखिल उर्फ विक्रम (नटपुरवा), सूरज (मोती नगर, उन्नाव), नीलू (कृष्णानगर, बेनीगंज), अमित कुमार और महेंद्र सोनी (रहीमाबाद) को गिरफ्तार किया। इनके पास से लगभग दो लाख रुपये की नकदी और आठ जोड़ी चांदी की पायलें बरामद की गईं। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि उनका सरगना कपिल मौके से भाग निकला था। पुलिस को देर रात सूचना मिली कि कपिल तीर्थपुर मार्ग पर मौजूद है और कहीं भागने की फिराक में है। इस सूचना पर कछौना पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर ली। पुलिस को देखते ही कपिल ने फायरिंग शुरू कर दी, जिस पर जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ में कपिल के दाहिने पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने तुरंत उसे दबोच लिया और उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किए। कछौना के कोतवाल प्रेम सागर सिंह ने बताया कि कपिल इलाके का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है, जिस पर गैंगस्टर समेत कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। कपिल और उसके गिरोह के सदस्य पिछले पांच महीनों में कई गांवों में चोरी की वारदातें कर चुके थे।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इस गिरोह ने 21 जुलाई की रात ग्राम नैरा में चोरी की, 22 जुलाई को कमालपुर गांव से नकदी और जेवर उड़ा लिए। इसके बाद सात अगस्त को ज्ञानपुर, 25 अगस्त को पहवा गांव, आठ अक्टूबर को ग्राम पड़री और पांच मई को तकिया पतसैनी में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। गिरोह के लगातार सक्रिय रहने से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। एसपी अशोक कुमार मीण ने बताया कि गिरोह के अन्य संभावित साथियों की भी पहचान की जा रही है और सभी की संपत्ति की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सफलता पुलिस टीम की सतर्कता और लगातार निगरानी का परिणाम है। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए राहत की सांस ली है, क्योंकि अब उन्हें उम्मीद है कि लगातार हो रही चोरियों पर रोक लगेगी और इलाके में शांति का माहौल लौटेगा।

तमिलनाडु में राजनीतिक रैलियों के लिए 10 दिनों में एसओपी बनाने का आदेश, करूर हादसे पर हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार

(जीएनएस)। चेन्नई। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता विजय की रैली के दौरान हुई भीषण भगदड़ की घटना के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि राजनीतिक दलों की जनसभाओं और रोडशो के लिए दस दिनों के भीतर एक ठोस और प्रभावी एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार की जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि अगर सरकार निर्धारित समय में एसओपी नहीं बनाती है तो न्यायालय स्वयं इस संबंध में आदेश पारित करेगा। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने सोमवार को इस मामले पर सुनवाई की। अदालत में याचिकाकर्ता ने कहा कि 27 सितंबर को करूर में अभिनेता विजय की पार्टी की रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की जान चली गई थी, जो प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। याचिका में यह भी कहा गया कि तमिलनाडु में राजनीतिक दलों की रैलियों के लिए कोई स्पष्ट मानक प्रक्रिया नहीं है, जिससे ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति की आशंका बनी रहती है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता जे. रविंद्रन ने अदालत को बताया कि जब तक एसओपी तैयार नहीं हो जाती, तब तक किसी भी राजनीतिक पार्टी को रैलियों या रोडशो आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, उन्हें सीमित दायरे में सार्वजनिक बैठकें करने की छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि एसओपी बनाने के लिए पुलिस, अग्निशमन विभाग, नागरिक निकायों और अन्य एजेंसियों से परामर्श किया जा रहा है, इसलिए प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, ट्रक ने खड़े यात्रियों को रौंदा, तीन की मौत और कई घायल

(जीएनएस)। अहमदाबाद। सोमवार सुबह अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर एक दिल दहला देने वाले हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 6:30 बजे उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों और उनके पास खड़े लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। यह हादसा इतना भीषण था कि मौके पर चीख-पुकार मच गई और सड़क पर अफरातफरी फैल गई।

पुलिस के मुताबिक, हादसे की शुरुआत एक मामूली दुर्घटना से हुई थी। एक चार पहिया वाहन ओवरटेक करने के दौरान दूसरी गाड़ी से हल्की टक्कर खा गया था। इसके बाद चार पहिया वाहन के यात्रियों ने गाड़ी सड़क किनारे रोक दी और आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी अचानक सूरत से श्रीनगर जा रहा एक ट्रक तेज रफ्तार से आया और खड़ी गाड़ियों व वहां खड़े लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और कुछ लोग दूर तक फेंके गए।

अहमदाबाद पुलिस की डिप्टी एसपी नीलम गोस्वामी ने बताया कि मृतक एक ट्रैवलर वाहन के यात्री थे, जो सड़क किनारे खड़े थे। उन्होंने बताया कि चार पहिया वाहन की मामूली टक्कर के बाद यात्री आपस में बहस कर रहे थे, तभी पीछे से ट्रक आया और बस से जा टकराया। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार से पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को तुरंत एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही रामोल थाने की पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत सड़क पर जाम हटाने और ट्रैफिक को सुचारु करने की कार्रवाई शुरू की। बस चालक ने इस घटना की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार मृतक मुंबई और मेहसाणा के रहने वाले थे, जबकि घायल यात्री भी मुंबई से ही आए थे। घटना में शामिल ट्रक हजीरा (सूरत) से श्रीनगर जा रहा था, जिसमें चालक और क्लीनर मौजूद थे। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। मामले में रामोल पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक की रफ्तार अत्यधिक थी और चालक ने सड़क किनारे खड़े वाहनों को समय रहते देख नहीं पाया। सड़क पर धुंध और खराब दृश्यता को भी हादसे का एक कारण माना जा रहा है। पुलिस ने कहा है कि वाहन की स्पीड और ब्रेकिंग सिस्टम की तकनीकी जांच कराई जाएगी।

इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि एक्सप्रेसवे पर लगातार तेज रफ्तार वाहनों के कारण ऐसे हादसे बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी बेहद कम होती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर नियमित पेट्रोलिंग और निगरानी बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

त्योहारों के दौरान अब तक संचालित ट्रेनों में 1.5 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने यात्रा की

- यात्रियों ने सकारात्मक अनुभव साझा किए और त्योहारों के दौरान आरामदायक और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे के प्रयासों की सराहना की
- त्योहारों के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए बिहार और उससे सटे उत्तर प्रदेश के 30 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं

(जीएनएस)। भारतीय रेल ने त्योहारों के दौरान अब तक 1.5 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को ट्रेनों के ज़रिए पहुँचाया है। त्योहारों के मौसम के अंत तक यह संख्या 2.5 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाने के लिए, बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों के 30 प्रमुख स्टेशनों पर बड़े होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

हाल के वर्षों में, रेलवे के बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण निवेश से उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विशेष ट्रेनों की संख्या पहले केवल कुछ सौ थी, जो अब रिकॉर्ड तोड़ संख्या तक पहुँच गई है। ट्रैक निर्माण में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो एक दशक पहले मात्र 400-600 किमी प्रति वर्ष से बढ़कर आज 4,000 किमी प्रति वर्ष हो गई है।

त्योहारों के दौरान लोगों की सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेल के प्रयास

रेलवे कर्मचारी यात्रियों की सहायता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं ताकि त्योहारों के दौरान सभी सुरक्षित घर पहुँच सकें।

छठ पूजा के मद्देनजर, रेलवे ने व्यस्ततम यात्रा अवधि को संभालने के लिए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया है।

बिहार के रेलवे स्टेशन त्योहारों की भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सीसीटीवी निगरानी और अन्य सुविधाओं की तैयारी कर रहे हैं।

पटना रेलवे स्टेशन पर, त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया स्थापित किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सीसीटीवी निगरानी के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए दानापुर रेलवे स्टेशन पर समर्पित होल्डिंग एरिया भी स्थापित किया है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारतीय रेल छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। दानापुर रेलवे स्टेशन पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और मेडिकल टीमें 24×7 तैयार रखी गई हैं।

पटना के राजेंद्र नगर टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर, समर्पित रेल कर्मचारियों ने जरूरतमंद यात्रियों की सहायता की और छठ पर्व के दौरान उनकी सुरक्षित, आरामदायक और सुखद यात्रा सुनिश्चित की। यात्रियों ने भारतीय रेल के साथ यात्रा के सकारात्मक अनुभव साझा किए

यात्रियों ने इस त्योहारी सीज़न में सुगम यात्रा अनुभव की सराहना की है, जिसमें आसान बुकिंग, साफ़-सुथरे कोच और सुव्यवस्थित स्टेशन शामिल हैं।

छठ पर्व के दौरान, नई दिल्ली और पटना के बीच विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चल रही है। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, भारतीय रेल ने आज छठ के लिए घर जाने वाले यात्रियों के उत्साह को बढ़ाते हुए कई पारंपरिक छठ गीत बजाए। पूरे भारत में, वर्तमान में 156 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ चल रही हैं, जिनमें पटना और नई दिल्ली के बीच यह विशेष ट्रेन नियमित सेवाओं के अलावा चल रही है।

बिहार के जमालपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ने के कारण ट्रेन में भीड़ नहीं थी। उसी स्टेशन पर एक अन्य यात्री ने बताया कि साफ़-सफ़ाई सहित सभी सुविधाएँ अच्छी तरह से रखी गई थीं और उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

एक यात्री ने स्वच्छता बनाए रखने के लिए भारतीय रेलवे को धन्यवाद दिया। उस यात्री ने स्टेशन पर छठ से संबंधित गीत बजाने की पहल की सराहना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे आध्यात्मिक और उत्सव का वातावरण बन रहा है। यात्रियों ने त्योहारों के दौरान बेहतर यात्रा व्यवस्था के लिए भारतीय रेलवे की सराहना की। एक महिला यात्री ने बताया कि उसके परिवार को कन्फर्म टिकट मिले और उन्हें कोई समस्या नहीं हुई, और उन्होंने दिल्ली स्टेशनों पर बेहतर प्रबंधन की सराहना की। अन्य यात्रियों ने समय पर ट्रेनों के आने, साफ़-सुथरे डिब्बों और शौचालयों, अच्छे भोजन और बिस्तर, और कुल मिलाकर सुगम और आरामदायक यात्रा का ज़िक्र किया।

मंडल कार्यालय एवं भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में महिला कर्मचारियों के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना

(जीएनएस)। महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए, भावनगर मंडल में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कर्मचारी हित निधि (Staff Benefit Fund) के सौजन्य से मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष और भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की गई है। यह पहल महिला कर्मचारियों के कार्यस्थल पर स्वच्छता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में मंडल प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दिनांक 20 अक्टूबर, 2025 को मंडल कार्यालय, भावनगर परा के महिला कक्ष में इस मशीन का शुभारंभ एवं अर्पण अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। भावनगर टर्मिनस कार्यशाला (C&W) में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना का शुभारंभ एवं अर्पण दिनांक 26 अक्टूबर, 2025 को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता श्री विजय भट्ट, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री संतोष कुमार वर्मा, स्थानीय कर्मचारी हित निधि के सदस्य श्री एस. के. श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी उपस्थित रहे। आगे इस सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना रेलवे अस्पताल, भावनगर परा और C&W कार्यशाला, पोरबंदर में शीघ्र ही की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी महोदय ने महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करते हुए वरिष्ठतम महिला कर्मचारी के माध्यम से रिबन कटवाया। इस gesture के माध्यम से उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान, समान अवसर और कार्यस्थल पर उनकी गरिमा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना न केवल महिला कर्मचारियों को आवश्यक सुविधा प्रदान करेगी, बल्कि यह उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनने के लिए भी प्रेरित करेगी। ऐसी मशीनों की उपलब्धता से कार्यस्थल पर स्वच्छता और आराम की भावना बढ़ेगी, जिससे कार्य निष्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

कार्यशाला के पर्यवेक्षकगणों और कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम महिला सहयोगियों की जरूरतों को समझते हुए उठाया गया है। उपस्थित महिला कर्मचारियों ने स्थानीय कर्मचारी हित निधि एवं मंडल प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और इस पहल को "महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण" की दिशा में एक प्रगतिशील प्रयास बताया। भावनगर मंडल प्रशासन का यह कदम रेलवे परिवार में महिला कर्मचारियों के कल्याण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और आधुनिक सोच का प्रतीक है।

भावनगर रेलवे मंडल पर सत्यनिष्ठा की शपथ के साथ 'सर्तकता जागरूकता सप्ताह' का शुभारंभ

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2025 को "सर्तकताः हमारी साझा जिम्मेदारी" (Vigilance: Our Shared Responsibility) थीम के साथ सर्तकता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की गई। यह सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक मनाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों एवं रेल कर्मचारियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने उपस्थित सभी को अपने कार्यों में निष्ठा, पारदर्शिता और कानून के नियमों के पालन का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिता, व्याख्यान, संगोष्ठी एवं डिजिटल माध्यम से सतर्कता के संदेशों का प्रसार किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक एवं कर्मचारी में यह भावना जागृत करना है कि सर्तकता केवल एक विभाग की नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।